4. प्राथमिक क्रियाएँ

अभ्यास प्रश्न (पाठ्यपुस्तक से)

प्र0 1. नीचे दिए गये चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए ।

(i) निम्न में से कौन-सी रोपण फसल नहीं है?

(क) कॉफी

(ग) गेहूँ।

(घ) रबड़

(ख) डेनमार्क

उत्तरः (i) (ग) गेहूँ

(ii) निम्न देशों में से किस देश में सहकारी कृषि का सफल परीक्षण किया गया है?

(क) रूस

(ख) डेनमार्क

(ग) भारत

(घ) नीदरलैंड

उत्तरः (ii) (ख) डेनमार्क

(iii) फूलों की कृषि कहलाती है

(क) टूक फार्मिंग

(ख) कारखाना कृषि

(ग) मिश्रित कृषि

(घ) पुष्पोत्पादन

उत्तरः (iii) (घ) पुष्पोत्पादन

(iv) निम्न में से कौन-सी कृषि के प्रकार का विकास यूरोपीय औपनिवेशिक समूहों द्वारा किया गया?

(क) कोलखहोज़

(ख) अंगूरोत्पादन
(ग) मिश्रित कृषि
(घ) टोपण कृषि
उत्तरः (iv) (घ) रोपण कृषि

(v) निम्न प्रदेशों में से किसमें विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि नहीं की जाती है?
(क) अमेरिका एवं कनाडा वे 5 प्रेयरी क्षेत्र
(ख) अर्जेंटाइना के पंपास क्षेत्र
(ग) यूरोपीय स्टैपीज़ क्षेत्र
(घ) अमेजन बेसिन
उत्तरः (v) (घ) अमेजन बेसिन

(vi) निम्न में से किस प्रकार की कृषि में खट्टे रसदार फलों की कृषि की जाती है?
(क) बाज़ारीय सब्जी कृषि
(ख) भूमध्यसागरीय कृषि
(ग) टोपण कृषि
(घ) सहकारी कृषि
उत्तरः (vi) (ख) भूमध्यसागरीय कृषि

(vii) निम्न कृषि के प्रकारों में से कौन-सा प्रकार कर्तन - दहन कृषि का प्रकार है ?
(क) विस्तृत जीवन निर्वाह कृषि
(ख) आदिकालीन निर्वाहक कृषि
(ग) विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि
(घ) मिश्रित कृषि
उत्तरः (vii) (ख) आदिकालीन निर्वाहक कृषि

(viii) निम्न में से कौन-सी एकल कृषि नहीं है?
(क) डेटरी कृषि

(ख) मिश्रित कृषि
(ग) टोपण कृषि
(घ) वाणिज्य अनाज कृषि
उत्तरः (viii) (ख) मिश्रित कृषि

प्र0 2. निम्न प्रश्नों का 30 शब्दों में उत्तर दीजिए

(i) स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है । विवेचना कीजिए ।

उत्तर: स्थानान्तरी कृषि आदिम जातियों द्वारा पुरातन ढंग से की जाती है जिसमें प्रति व्यक्ति व प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम होता है। कम वहन क्षमता के कारण स्थानान्तरी कृषकों को खाद्यान्न की समस्या रहती है जिससे इनकी संख्या घट रही है। जिन जंगलों को जलाकर कृषि भूमि तैयार की जाती थी, वे भी सिकुड़ रहे हैं। अनेक सरकारें स्थानान्तरी कृषि से जुड़े कबीलियाई लोगों को स्थायी रूप से बसाने के प्रयास कर रही हैं। इससे भी इस प्रकार की कृषि कम हो रही है। इन कारणों से स्पष्ट है कि स्थानान्तरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है।

(ii) बाजारीय सब्ज़ी कृषि नगरीय क्षेत्रों के समीप ही क्यों की जाती है ?

उत्तर: बाजारीय सब्ज़ी कृषि जिसमें सब्जियाँ, फल व पुष्प उगाये जाते हैं, उनकी माँग वे खपत नगरीय क्षेत्रों में अधिक होती है। ऊँची आयवाले उपभोक्ता नगरीय केंद्रों में रहते हैं जहाँ इन उत्पादों को अच्छी कीमत मिल जाती है। कृषि के इस रूप में गहन श्रम तथा अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है जिसकी भरपाई उच्च आयवाले उपभोक्ता ही कर पाते हैं। अतः यह कृषि नगरीय क्षेत्रों के समीप ही की जाती है।

(iii) विस्तृत पैमाने पर डेरी कृषि का विकास यातायात के साधनों एवं प्रशीतकों के विकास के बाद ही क्यों संभव हो सका है?

उत्तर: डेरी कृषि में बड़े पैमाने पर दुधारू पशुओं को वैज्ञानिक विधि से पाला जाता है। दूध तथा दुग्ध उत्पाद जल्दी खराब होने वाले पदार्थ होते हैं। अतः समय पर इन्हें उपभोक्ताओं तक पहुँचाना होता है जो विकसित यातायात के साधनों, प्रशीतकों का

उपयोग करके व पाचुटीकरण की सुविधाओं के प्रचलन के बाद ही इस कृषि का विकास तेजी से हुआ है।

प्र0 3. निम्न प्रश्नों का 150 शब्दों में उत्तर दीजिए |

(i) चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में अंतर कीजिए ।

उत्तरः

क्र० सं०	चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन पालन
1.	चलवासी पशुचारण पुरानी दुनिया तक ही सीमित है।	वाणिज्य पशुधन पालन नई दुनिया में प्रचलित है।
2.	इसके मुख्य क्षेत्र सहारा, पूर्वी अफ्रीका का तटीय भाग, दक्षिण-पश्चिमी व मध्य एशिया, यूरेशिया में टुण्ड्रा व दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका तथा मालागासी का पश्चिमी भाग है।	इसके मुख्य क्षेत्र उत्तरी अमेरिका के प्रेयरी, मध्य अमेरिका का लागोस, दक्षिणी अमेरिका के पम्पास, दक्षिणी अफ्रीका के वेल्ड, ऑस्ट्रेलिया के डाउन्स तथा न्यूजीलैण्ड के घास स्थल हैं।
3.	चलवासी पशुचारक चारे तथा जल की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं।	वाणिज्य पशुधन पालन एक निश्चित बाड़े में किया जाता है तथा उनके चारे की व्यवस्था स्थानीय रूप से की जाती है।
4.	यह परम्परागत पद्धति पर आधारित है। वर्तमान में यह सीमित होती जा रही है।	यह आधुनिक पद्धति पर आधारित है। वर्तमान में इसका विकास किया जा रहा है।
5.	चलवासी पशुचारक एक ही समय पर विभिन्न प्रकार के पशु रखते हैं।	वाणिज्य पशुचारक उस पशु को विशेष रूप से पालते हैं जिसके लिए क्षेत्र अनुकूल होता है।
6.	इसमें पशु की देखभाल की कोई विशेष व्यवस्था नहीं होती है।	इसमें पशुओं की देखभाल वैज्ञानिक पद्धति से की जाती है।
7.	चलवासी पशुचारण एक जीवन निर्वाह आर्थिक पद्धति है जिसमें स्थानीय खपत के लिए भोजन, वस्त्र, आवास तथा जीवन की अन्य सुविधाएँ जुटाई जाती हैं।	वाणिज्य पशुधन पालन में दूध, मांस, ऊन, खालों आदि का उत्पादन होता है जिनका अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापार किया जाता है।
8.	इसमें चारे की फसल नहीं उगाई जाती हैं। पशुओं को पूर्णरूप से प्राकृतिक घास पर निर्भर रहना पड़ता है।	इसमें प्राकृतिक घास की कमी होने पर चारे की फसल उगाई जाती है।

(ii) रोपण कृषि की मुख्य विशेषताएँ बतलाइये एवं भिन्न-भिन्न देशों में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख रोपण फसलों के नाम बताइए।

उत्तरः रोपण कृषि की विशेषताएँ/गुण/लक्षण रोपण कृषि की प्रमुख विशेषताएँ/गुण/लक्षण निम्नलिखित हैं

रोपण कृषि बड़े-बड़े आकार के फार्मों पर की जाती है।

इस कृषि में अधिक पूँजी निवेश, उच्च प्रबन्धन एवं वैज्ञानिक तकनीकियों का प्रयोग किया जाता है।

इस कृषि से उत्पादित अधिकांश भाग निर्यात कर दिया जाता है।

इस प्रकार की कृषि में एक फसल के उत्पादन पर ही अधिक जोर दिया जाता है।

इस कृषि में वैज्ञानिक विधियों, मशीनों, उर्वरक आदि का प्रयोग होता है।

इस कृषि में कुशल श्रमिक कार्य करते हैं। ये श्रमिक स्थानीय होते हैं। कुछ प्रदेशों में दास श्रमिक भी कार्य करते हैं।

बाजारों एवं कृषि बागानों को सुचारु रूप से जोड़ने के लिए कुशल व सस्ते परिवहन का प्रयोग किया जाता है।

यह लाभ प्राप्त करने वाली वृहद् उत्पादन प्रणाली है जिसका विकास यूरोपीय लोगों द्वारा विश्व के अनेक औपनिवेशिक देशों में किया गया है।

यह कृषि मुख्य रूप से उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में की जाती है।

विभिन्न देशों में उगाई जाने वाली प्रमुख रोपण फसलें

क्र०सं०	**देश का नाम**	**प्रमुख रोपण फसल**
1.	भारत	चाय
2.	श्रीलंका	चाय
3.	मलयेशिया	रबड़
4.	ब्राजील	कॉफी
5.	पश्चिमी द्वीप	समूह गन्ना एवं केला
6.	पश्चिमी अफ्रीका	कॉफी एवं कोको
7.	फिलीपीन्स	नारियल व गन्ना